



Microfinance Institutions Network (MFIN)

Satin Creditcare Network case study

Coverage Report

August 2019

Media Coverage Index

S. No.	Publication Name	Media
1.	Rajasthan Patrika	Print
2.	Dainik Bhaskar	Print
3.	Daily News	Print
4.	The Public Side	Print
5.	Evening Post	Print
6.	Veer Arjun	Print
7.	Dainik Bhor	Print
8.	Dainik Kanchan Kesari	Print
9.	Dainik Navjyoti	Print
10.	Hukumnama Samachar	Print
11.	Khabaro ki Duniya	Print
12.	Samachar Jagat	Print

Publication	Rajasthan Patrika
Edition	Jhunjhunu
Date	20 th August, 2019
Page No.	15

महिला उद्यमियों को बढ़ावा दे रहा है माइक्रोफाइनेंस

नई दिल्ली. माइक्रोफाइनेंस द्वारा महिला उद्यमियों को सहायता दिए जाने से उनकी जिन्दगी में बदलाव के साथ-साथ आर्थिक स्थिति में भी सुधार आया है। इसी कड़ी में झुंझुनु की परवीन की जिन्दगी में भी माइक्रोफाइनेंस बड़ा बदलाव लेकर आया है। उनको माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशन की सदस्यता के साथ 25 हजार रुपए का ऋण सहायता की थी। क्रेडिटकेयर आरबीआई के साथ पंजीकृत एनबीएफसी है। कंपनी अब तक 20 लाख से अधिक लोगों के जीवन को बदल चुकी है।

Publication	Dainik Bhaskar
Edition	Jhunjhunu
Date	20 th August, 2019
Page No.	11

माइक्रोफाइनेन्स साटिन क्रेडिटकेयर की ओर से महिला उद्यमियों की मदद

झुंझुनू। गैर-बैंकिंग फाइनेन्शियल कंपनी- माइक्रो फाइनेन्स इंस्टीट्यूशन- साटिन क्रेडिटकेयर नेटवर्क की ओर से छोटे स्तर पर उद्यमिता के क्षेत्र में संलग्न महिला उद्यमियों की मदद की जा रही है। साटिन क्रेडिटकेयर आरबीआई के साथ पंजीकृत एनबीएफसी-एमएफआई है और भारत में वित्तीय समावेशन के एजेंडे पर काम कर रही है। यह अब तक 20 लाख से अधिक लोगों के जीवन को प्रभावित कर चुकी है और 18 राज्यों में मौजूद है। इस संगठन ने कई स्थानीय महिला उद्यमियों को उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने और उनके सपनों को साकार कर जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मदद की है।

Publication	Daily News
Edition	Jhunjhunu
Date	20 th August, 2019
Page No.	09

महिला उद्यमियों को बढ़ावा दे रहा माइक्रोफाइनेंस

डेली न्यूज, झुंझुन। एक गैर बैंकिंग फाइनोंशियल कंपनी माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशन- साटिन क्रेडिटकेयर महिला उद्यमियों को बढ़ावा दे रहा है। साटिन क्रेडिटकेयर आरबीआई के साथ पंजीकृत एनबीएफसी-एमएफआई है और भारत में वित्तीय समावेशन के एजेंडा पर काम कर रही है। यह अब तक 20 लाख से अधिक लोगों के जीवन को प्रभावित कर चुकी है और 18 राज्यों में मौजूद है। इस संगठन ने कई स्थानीय महिला उद्यमियों को उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने और उनके सपनों को साकार कर जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मदद की है। स्व-विनियामक संगठन एवं भारत में माइक्रोफाइनेंस उद्योग के संगठन 'माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क' के अनुसार, देश में सूक्ष्म-ऋण लाभार्थियों में महिलाओं की भागीदारी 99 प्रतिशत है। एनबीएफसी-एमएफआई जैसी माइक्रोफाइनेंस कंपनियां भारत में बैंकिंग सुविधाओं रहित आबादी को वित्तीय सेवाएं आसानी से मुहैया करने की दिशा में कार्यरत हैं।

Publication	The Public Side
Edition	Jhunjhunu
Date	19 th August, 2019
Page No.	03

Microfinance lends a support to women entrepreneurs

Jhunjhunu. Parveen lives in Jhunjhunu, Rajasthan with her husband and four children. She runs a successful vegetable vending business with her eldest son. About two years ago, her husband, who was the only breadwinner in their family, fell seriously ill and became unfit for any physical work. This was a heavy setback for them and they struggled financially. Parveen came to know about Satin Credit Creditcare Network, a Non-Banking Financial Company-Micro Finance Institutions (NBFC-MFI) that operated in her area and extended micro-loans for livelihood activities through someone in her neighbourhood. She enrolled herself as a member and took a loan of Rs 25000 to start a vegetable shop. From there, it was no looking back for her, her son joined in and they both have been working really hard to take care of entire family. Today, their financial status is significantly improved and

Parveen is able to send her other children to school.

Similar to Parveen, many women have been benefited from association with Satin Creditcare Network. Satin Creditcare is registered as NBFC-MFI with RBI and is working towards the agenda of financial inclusion in India. It has impacted over 20 lakh lives till date and is present in 18 states today. The organisation has helped many local women entrepreneurs to improve their economic status and realise their dreams to improve their quality of life. According to Microfinance Institutions Network, a self-regulatory organisation and an industry association of microfinance industry in India, women constitute 99% of micro-credit beneficiaries in the country. Microfinance institutions such as NBFC-MFIs are working towards providing an easy access to financial services to underserved and unbanked population in India.

Publication	Evening Post
Edition	Jhunjhunu
Date	19 th August, 2019
Page No.	07

माइक्रोफाइनेन्स महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

झुंझुनू। परवीन अपने पति और चार बच्चों के साथ राजस्थान के झुंझुनू में रहती हैं। वह अपने सबसे बड़े बेटे के साथ मिलकर सब्जी का कारोबार चलाती हैं। तकरीबन दो साल पहले तक घर के लिए आजीविका कमाने की जिम्मेदारी उनके पति के कंधों पर थी, लेकिन तभी वे बहुत अधिक बीमार पड़ गई और काम करना उनके लिए नामुमकिन हो गया। इसका उनके परिवार की आर्थिक स्थिति पर बहुत बुरा असर पड़ा। तभी परवीन को अपने क्षेत्र में संचालित एक गैर-बैंकिंग फाइनेन्शियल कंपनी- माइक्रो फाइनेन्स इंस्टीट्यूशन- साटिन क्रेडिटकेयर नेटवर्क के बारे में पता चला। जो जरूरतमंद लोगों को सूक्ष्म गण सुविधाएं उपलब्ध कराती है। परवीन इसकी सदस्य बन गई और उन्होंने सब्जी की दुकान शुरू करने के लिए ₹ 25000 का गण लिया। उसके बाद परवीन ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा, उनका बेटा भी इस काम में मदद करता था। दोनों ने मिलकर अपने परिवार की देखभाल के लिए कड़ी मेहनत की। आज उनकी आर्थिक स्थिति काफी सुधर गई है और परवीन अपने अन्य बच्चों को स्कूल भी भेज

पा रही है।

परवीन की तरह ऐसी कई महिलाएं हैं जो साटिन क्रेडिटकेयर नेटवर्क से लाभान्वित हुई हैं, साटिन क्रेडिटकेयर आरबीआई के साथ पंजीकृत एनबीएफसी-एमएफआई है और भारत में वित्तीय समावेशन के एजेंडा पर काम कर रही है। यह अब तक 20 लाख से अधिक लोगों के जीवन को प्रभावित कर चुकी है और 18 राज्यों में मौजूद है। इस संगठन ने कई स्थानीय महिला उद्यमियों को उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने और उनके सपनों को साकार कर जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मदद की है।

स्व-विनियामक संगठन एवं भारत में माइक्रोफाइनेंस उद्योग के संगठन 'माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशन नेटवर्क' के अनुसार, देश में सूक्ष्म-गण लाभार्थियों में महिलाओं की भागीदारी 99 प्रतिशत है। एनबीएफसी-एमएफआई जैसी माइक्रोफाइनेंस कंपनियां भारत में बैंकिंग सुविधाओं रहित आबादी को वित्तीय सेवाएं आसानी से मुहैया करने की दिशा में कार्यरत हैं एनबीएफसी-एमएफआई देश में ऐसी एकमात्र विनियमित वित्तीय संस्थाएं हैं जो कम

आय वाले परिवारों को असुरक्षित गण प्रदान करती हैं। ये वित्तीय कंपनियां उन महिलाओं की वित्त संबंधी जरूरतों को पूरी करती हैं जिनके पास गिरवी रखने या सिक्युरिटी के तौर पर जमा करने के लिए कुछ भी संसाधन मौजूद नहीं होते हैं। एनबीएफसी-एमएफआई का मकसद सतत आजीविका का विकल्प तैयार करने में मदद साधने मुहैया कराना है। दूरदराज के इलाकों में भी वित्तीय सेवाएं मुहैया कराकर ये कंपनियां सरकार के वित्तीय समावेशन के एजेंडे को बढ़ावा दे रही हैं। एनबीएफसी-एमएफआई प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की महत्वपूर्ण भागीदार है और इस कार्यक्रम के तहत वितरित किए जाने वाले लगभग 50 प्रतिशत गण माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के जरिये दिए जाते हैं। एनबीएफसी-एमएफआई भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के साथ पंजीकृत है और गण के आर्कीव, अवधि, ब्याज दर और फेयर-प्रेक्टिसेज कोड (एफपीसी) तथा इंडस्ट्री कोड ऑफ कंडक्ट (सीओसी) के संदर्भ में सख्ती से अमल करती है। रिजर्व बैंक सभी एनबीएफसी एमएफआई की नियमित रूप से निगरानी करता है।

Publication	Veer Arjun
Edition	Jhunjhunu
Date	19 th August, 2019
Page No.	08

माइक्रो फाइनेन्स महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

वीर अर्जुन संवाददाता

झुंझुनू परवीन अपने पति और चार बच्चों के साथ राजस्थान के झुंझुनू में रहती हैं। वह अपने सबसे बड़े बेटे के साथ मिलकर सब्जी का कारोबार चलाती हैं। तकरीबन दो साल पहले तक घर के लिए आजीविका कमाने की जिम्मेदारी उनके पति के कंधों पर थी, लेकिन तभी वे बहुत अधिक बीमार पड़ गए और काम करना उनके लिए नामुमकिन हो गया। इसका उनके परिवार की आर्थिक स्थिति पर बहुत बुरा असर पड़ा।

तभी परवीन को अपने क्षेत्र में संचालित एक गैर-बैंकिंग फाइनेन्शियल कंपनी-माइक्रो फाइनेन्स इंस्टीट्यूशन- साटिन क्रेडिटकेयर नेटवर्क के बारे में पता चला। जो जरूरतमंद लोगों को सूक्ष्म गण सुविधाएं उपलब्ध कराती है। परवीन इसकी सदस्य बन गईं और उन्होंने सब्जी की दुकान शुरू

करने के लिए रु 25000 का गण लिया। उसके बाद परवीन ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा, उनका बेटा भी इस काम में मदद करता था। दोनों ने मिलकर अपने परिवार की देखभाल के लिए कड़ी मेहनत की।

आज उनकी आर्थिक स्थिति काफी सुधर गई है और परवीन अपने अन्य बच्चों को स्कूल भी भेज पा रही है।

परवीन की तरह ऐसी कई महिलाएं हैं जो साटिन क्रेडिटकेयर नेटवर्क से लाभान्वित हुई हैं, साटिन क्रेडिटकेयर आरबीआई के साथ पंजीकृत एनबीएफसी-एमएफआई है और भारत में वित्तीय समावेशन के एजेंडा पर काम कर रही है। यह अब तक 2 लाख से अधिक लोगों के जीवन को प्रभावित कर चुकी है और 18 राशियों में मौजूद है। इस संगठन ने कई स्थानीय महिला उद्यमियों को उनकी आर्थिक स्थिति

में सुधार लाने और उनके सपनों को साकार कर जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मदद की है। स्व-विनियामक संगठन एवं भारत में माइक्रोफाइनेंस उद्योग के संगठन 'माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क' के अनुसार, देश में सूक्ष्म-गण लाभार्थियों में महिलाओं की भागीदारी 99 प्रतिशत है। एनबीएफसी-एमएफआई जैसी माइक्रो फाइनेंस कंपनियां भारत में बैंकिंग सुविधाओं रहित आबादी को वित्तीय सेवाएं आसानी से मुहैया करने की दिशा में कार्यरत हैं। एनबीएफसी-एमएफआई देश में ऐसी एकमात्र विनियमित वित्तीय संस्थाएं हैं जो कम आय वाले परिवारों को असुरक्षित गण प्रदान करती हैं। ये वित्तीय कंपनियां उन महिलाओं की वित्त संबंधी जरूरतों को पूरी करती हैं जिनके पास गिरवी रखने या सिक्युरिटी के तौर पर जमा करने के लिए कुछ भी संसाधन मौजूद नहीं होते हैं।

Publication	Dainik Bhor
Edition	Jhunjhunu
Date	18 th August, 2019
Page No.	02

माइक्रोफाइनेन्स महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

झुंझुनू। परवीन अपने पति और चार बच्चों के साथ राजस्थान के झुंझुनू में रहती हैं। वह अपने सबसे बड़े बेटे के साथ मिलकर सब्जी का कारोबार चलाती हैं। तकरीबन दो साल पहले तक घर के लिए आजीविका कमाने की जिम्मेदारी उनके पति के कंधों पर थी, लेकिन तभी वे बहुत अधिक बीमार पड़ गए और काम करना उनके लिए नामुमकिन हो गया।

इसका उनके परिवार की आर्थिक स्थिति पर बहुत बुरा असर पड़ा। तभी परवीन को अपने क्षेत्र में संचालित एक गैर-बैंकिंग फाइनेन्शियल कंपनी- माइक्रो फाइनेन्स इंस्टीट्यूशन-साटिन क्रेडिटकेयर नेटवर्क के बारे में पता चला। जो ज़रूरतमंद लोगों को सूक्ष्म ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराती है। परवीन इसकी सदस्य बन गई और उन्होंने सब्जी की दुकान शुरू करने के लिए ₹ 25000 का ऋण लिया। उसके बाद परवीन ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा, उनका बेटा भी इस काम में मदद करता था। दोनों ने मिलकर अपने परिवार की देखभाल के लिए कड़ी मेहनत की। आज उनकी आर्थिक स्थिति काफी सुधर गई है और परवीन अपने अन्य

बच्चों को स्कूल भी भेज पा रही है।

स्व-विनियामक संगठन एवं भारत में माइक्रोफाइनेंस उद्योग के संगठन 'माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशन नेटवर्क' के अनुसार, देश में सूक्ष्म-ऋण लाभार्थियों में महिलाओं की भागीदारी 99 प्रतिशत है। एनबीएफसी-एमएफआई जैसी माइक्रोफाइनेंस कंपनियां भारत में बैंकिंग सुविधाओं रहित आबादी को वित्तीय सेवाएं आसानी से मुहैया करने की दिशा में कार्यरत हैं। एनबीएफसी-एमएफआई देश में ऐसी एकमात्र विनियमित वित्तीय संस्थाएं हैं जो कम आय वाले परिवारों को असुरक्षित ऋण प्रदान करती हैं।

ये वित्तीय कंपनियां उन महिलाओं की वित्त संबंधी ज़रूरतों को पूरी करती हैं जिनके पास गिरवी रखने या सिक्युरिटी के तौर पर जमा करने के लिए कुछ भी संसाधन मौजूद नहीं होते हैं। एनबीएफसी-एमएफआई का मकसद सतत आजीविका का विकल्प तैयार करने में मदद साधन मुहैया कराना है। दूरदराज के इलाकों में भी वित्तीय सेवाएं मुहैया कराकर ये कंपनियां सरकार के वित्तीय समावेशन के एजेंडे को बढ़ावा दे रही हैं।

Publication	Dainik Kanchan Kesari
Edition	Jhunjhunu
Date	18 th August, 2019
Page No.	09

माइक्रोफाइनेन्स महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

झुंझुनू . कंचन कसरी

परवीन अपने पति और चार बच्चों के साथ राजस्थान के झुंझुनू में रहती हैं। वह अपने सबसे बड़े बेटे के साथ मिलकर सब्जी का कारोबार चलाती हैं। तकरीबन दो साल पहले तक घर के लिए आजीविका कमाने की जिम्मेदारी उनके पति के कंधों पर थी, लेकिन तभी वे बहुत अधिक बीमार पड़ गए और काम करना उनके लिए नामुमकिन हो गया। इसका उनके परिवार की आर्थिक स्थिति पर बहुत बुरा असर पड़ा। तभी परवीन को अपने क्षेत्र में संचालित एक गैर-बैंकिंग फाइनेन्शियल कंपनी- माइक्रो फाइनेन्स इंस्टीट्यूशन- साटिन क्रेडिटकेयर नेटवर्क के बारे में पता चला जो जरूरतमंद लोगों को सूक्ष्म ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराती है। परवीन इसकी सदस्य बन गईं और उन्होंने सब्जी की दुकान शुरू करने के लिए 25000 रुपये का ऋण लिया। उसके बाद परवीन ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा, उनका बेटा भी इस

काम में मदद करता था। दोनों ने मिलकर अपने परिवार की देखभाल के लिए कड़ी मेहनत की। आज उनकी आर्थिक स्थिति काफी सुधर गई है और परवीन अपने अन्य बच्चों को स्कूल भी भेज पा रही हैं। परवीन की तरह ऐसी कई महिलाएं हैं जो साटिन क्रेडिटकेयर नेटवर्क से लाभान्वित हुई हैं, साटिन क्रेडिटकेयर आरबीआई के साथ पंजीकृत एनबीएफसी-एमएफआई है और भारत में वित्तीय समावेशन के एजेंडा पर काम कर रही है। यह अब तक 20 लाख से अधिक लोगों के जीवन को प्रभावित कर चुकी है और 18 राज्यों में मौजूद है। इस संगठन ने कई स्थानीय महिला उद्यमियों को उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने और उनके सपनों को साकार कर जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मदद की है। स्व-विनियामक संगठन एवं भारत में माइक्रोफाइनेंस उद्योग के संगठन 'माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क' के अनुसार, देश में सूक्ष्म-ऋण लाभार्थियों में महिलाओं की भागीदारी 99 प्रतिशत है।

Publication	Dainik Navjyoti
Edition	Jhunjhunu
Date	18 th August, 2019
Page No.	11

माइक्रोफाइनेन्स का महिला उद्यमियों को सहयोग

झुंझुनू। परवीन अपने पति और चार बच्चों के साथ राजस्थान के झुंझुनू में रहती हैं। वह अपने सबसे बड़े बेटे के साथ मिलकर सब्जी का कारोबार चलाती हैं। तकरीबन दो साल पहले तक घर के लिए आजीविका कमाने की जिम्मेदारी उनके पति के कंधों पर थी, लेकिन तभी वे बहुत अधिक बीमार पड़ गए और काम करना उनके लिए नामुमकिन हो गया। इसका उनके परिवार की आर्थिक स्थिति पर बहुत बुरा असर पड़ा। तभी परवीन को अपने क्षेत्र में संचालित एक गैर-बैंकिंग फाइनेन्शियल कंपनी- माइक्रो फाइनेन्स इंस्टीट्यूशन-

साटिन क्रेडिटकेयर नेटवर्क के बारे में पता चला। जो जरूरतमंद लोगों को सूक्ष्म ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराती है। परवीन इसकी सदस्य बन गईं और उन्होंने सब्जी की दुकान शुरू करने के लिए 25000 का ऋण लिया। उसके बाद परवीन ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा, उनका बेटा भी इस काम में मदद करता था। दोनों ने मिलकर अपने परिवार की देखभाल के लिए कड़ी मेहनत की। आज उनकी आर्थिक स्थिति काफी सुधार गई है और परवीन अपने अन्य बच्चों को स्कूल भी भेज पा रही है।

Publication	Hukumnama Samachar
Edition	Jhunjhunu
Date	19 th August, 2019
Page No.	07

माइक्रोफाइनेन्स महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

झुंझुनू, कासं.। परवीन अपने पति और चार बच्चों के साथ राजस्थान के झुंझुनू में रहती हैं। वह अपने सबसे बड़े बेटे के साथ मिलकर सब्जी का कारोबार चलाती हैं। तकरीबन दो साल पहले तक घर के लिए आजीविका कमाने की ज़िम्मेदारी उनके पति के कंधों पर थी, लेकिन तभी वे बहुत अधिक बीमार पड़ गए और काम करना उनके लिए नामुमकिन हो गया। इसका उनके परिवार की आर्थिक स्थिति पर बहुत बुरा असर पड़ा। तभी परवीन को अपने क्षेत्र में संचालित एक गैर-बैंकिंग फाइनेन्शियल कंपनी-माइक्रो फाइनेन्स इंस्टीट्यूशन- साटिन क्रेडिटकेयर नेटवर्क के बारे में पता चला। जो ज़रूरतमंद लोगों को सूक्ष्म ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराती है। परवीन इसकी सदस्य बन गईं और उन्होंने सब्जी की दुकान शुरू करने के लिए ₹ 25000 का ऋण लिया। उसके बाद परवीन ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा, उनका बेटा भी इस काम में मदद करता था। दोनों ने मिलकर अपने परिवार की देखभाल के लिए कड़ी मेहनत की। आज उनकी आर्थिक स्थिति काफी सुधर गई है और परवीन अपने अन्य बच्चों को स्कूल भी भेज पा रही हैं। परवीन की तरह ऐसी कई महिलाएं हैं जो साटिन क्रेडिटकेयर नेटवर्क से लाभान्वित हुई हैं, साटिन क्रेडिटकेयर आरबीआई के साथ पंजीकृत एनबीएफसी-एमएफआई है और भारत में वित्तीय समावेशन के एजेंडा पर काम कर रही है। यह अब तक 20 लाख से अधिक लोगों के जीवन को प्रभावित कर चुकी है और 18 राज्यों में मौजूद है। इस संगठन ने कई स्थानीय महिला उद्यमियों को उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने और उनके सपनों को साकार कर जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मदद की है।

Publication	Khabaro ki Duniya
Edition	Jhunjhunu
Date	19 th August, 2019
Page No.	06

माइक्रोफाइनेंस महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

झुंझुनूं। परवीन अपने पति और चार बच्चों के साथ राजस्थान के झुंझुनूं में रहती हैं। वह अपने सबसे बड़े बेटे के साथ मिलकर सब्जी का कारोबार चलाती हैं। तकरीबन दो साल पहले तक घर के लिए आजीविका कमाने की जिम्मेदारी उनके पति के कंधों पर थी, लेकिन तभी वे बहुत अधिक बीमार पड़ गए और काम करना उनके लिए नामुमकिन हो गया। इसका उनके परिवार की आर्थिक स्थिति पर बहुत बुरा असर पड़ा। तभी परवीन को अपने क्षेत्र में संचालित एक गैर-बैंकिंग फाइनेन्शियल कंपनी- माइक्रो फाइनेंस इंस्टीट्यूशन- साटिन क्रेडिटकेयर नेटवर्क के बारे में पता चला। जो जरूरतमंद लोगों को सूक्ष्म ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराती है। परवीन इसकी सदस्य बन गईं और उन्होंने सब्जी की दुकान शुरू करने के लिए रु 25000 का ऋण लिया। उसके बाद परवीन ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा, उनका बेटा भी इस काम में मदद करता था। दोनों ने मिलकर अपने परिवार की देखभाल के लिए कड़ी मेहनत की। आज

उनकी आर्थिक स्थिति काफी सुधर गई है और परवीन अपने अन्य बच्चों को स्कूल भी भेज पा रही हैं। साटिन क्रेडिटकेयर आरबीआई के साथ पंजीकृत एनबीएफसी-एमएफआई है और भारत में वित्तीय समावेशन के एजेंडा पर काम कर रही है। यह अब तक 20 लाख से अधिक लोगों के जीवन को प्रभावित कर चुकी है और 18 राज्यों में मौजूद है। स्व-विनियामक संगठन एवं भारत में माइक्रोफाइनेंस उद्योग के संगठन 'माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क' के अनुसार, देश में सूक्ष्म-ऋण लाभार्थियों में महिलाओं की भागीदारी 99 प्रतिशत है। एनबीएफसी-एमएफआई जैसी माइक्रोफाइनेंस कंपनियां भारत में बैंकिंग सुविधाओं रहित आबादी को वित्तीय सेवाएं आसानी से मुहैया करने की दिशा में कार्यरत हैं। ये प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की महत्वपूर्ण भागीदार हैं और इस कार्यक्रम के तहत वितरित किए जाने वाले लगभग 50 प्रतिशत ऋण माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के जरिये दिए जाते हैं।

Publication	Samachar Jagat
Edition	Jhunjhunu
Date	18 th August, 2019
Page No.	09

महिला उद्यमियों को सहयोग दे रहा है 'माइक्रो फाइनेंस'

जयपुर। परवीन अपने पति और चार बच्चों के साथ राजस्थान के झुंझुनू में रहती हैं। वह अपने सबसे बड़े बेटे के साथ मिलकर सब्जी का कारोबार चलाती हैं। तकरीबन दो साल पहले तक घर के लिए आजीविका कमाने की जिम्मेदारी उनके पति के कंधों पर थी, लेकिन तभी वे बहुत अधिक बीमार पड़ गए और काम करना उनके लिए नामुमकिन हो गया।

इसका उनके परिवार की आर्थिक स्थिति पर बहुत बुरा असर पड़ा। तभी परवीन को अपने क्षेत्र में संचालित एक गैर-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी-माइक्रो फाइनेंस इंस्टीट्यूशन-साटिन क्रेडिट केयर नेटवर्क के बारे में पता चला। जो जरूरतमंद लोगों को सूक्ष्म ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराती है।

परवीन इसकी सदस्य बन गईं और उन्होंने सब्जी की दुकान शुरू करने के लिए ₹ 25000 का ऋण लिया। उसके बाद परवीन ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा, उनका बेटा भी इस काम में मदद करता था। दोनों ने मिलकर अपने परिवार की देखभाल के लिए कड़ी मेहनत की। आज उनकी आर्थिक स्थिति काफी सुधर गई है और परवीन अपने

अन्य बच्चों को स्कूल भी भेज पा रही हैं। परवीन की तरह ऐसी कई महिलाएं हैं जो साटिन क्रेडिट केयर नेटवर्क से लाभान्वित हुई हैं, साटिन क्रेडिट केयर आरबीआई के साथ पंजीकृत एनबीएफसी-एमएफआई है और भारत में वित्तीय समावेशन के एजेंडा पर काम कर रही है।

यह अब तक 20 लाख से अधिक लोगों के जीवन को प्रभावित कर चुकी है और 18 राज्यों में मौजूद है। इस संगठन ने कई स्थानीय महिला उद्यमियों को उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने और उनके सपनों को साकार कर जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मदद की है।

स्व-विनियामक संगठन एवं भारत में माइक्रो फाइनेंस उद्योग के संगठन 'माइक्रो फाइनेंस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क' के अनुसार, देश में सूक्ष्म-ऋण लाभार्थियों में महिलाओं की भागीदारी 99 प्रतिशत है। एनबीएफसी-एमएफआई जैसी माइक्रो फाइनेंस कंपनियां भारत में बैंकिंग सुविधाओं रहित आबादी को वित्तीय सेवाएं आसानी से मुहैया करने की दिशा में कार्यरत हैं।